आकाशवाणी शिमला
02.06.2024 / प्रादेशिक समाचार / 1800बजे

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने में निर्वाचन आयोग की भूमिका की सराहना की है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि आयोग के समर्पण और सुव्यवस्थित प्रयासों के कारण भारतीय लोकतंत्र में लोगों की आस्था और प्रगाढ़ हुई है और देशवासियों ने आत्मविश्वास से भरकर मतदान किया है। श्री मोदी ने कहा कि भारत की चुनाव प्रक्रिया लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास बढ़ाती है। प्रधानमंत्री ने चुनाव के दौरान सुरक्षा बलों की भूमिका की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के कारण मतदान सुरक्षित माहौल में संपन्न हुआ और लोग सहजता से चुनाव प्रक्रिया में शामिल हो पाये।

प्रतिभा सिंह

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने दावा किया है कि राज्य की चार लोकसभा सीटों सहित 6 विधानसभा उपचुनावों के परिणाम कांग्रेस के पक्ष में आएंगे। एक बयान में उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के परिणाम एग्ज़िट पोल के विपरीत होंगे और देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। प्रतिभा सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव परिणाम प्रभावित करने के लिए जो हथकंडे अपनाए हैं, वे दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को धनबल से कमज़ोर करने की कोशिश की गई है लेकिन जन बल ने इसे पूरी तरह नकार दिया है।

प्रत्याशी

प्रदेश में कल संपन्न हुए लोकसभा चुनावों व छह विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में कुल 62 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया है। इनमें से 37 प्रत्याशी लोकसभा चुनाव जबकि 25 उम्मीदवार 6 विधानसभा सीटों में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में सबसे अधिक 12 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। यहां मुख्य मुकाबला भाजपा प्रत्याशी अनुराग सिंह ठाकुर और कांग्रेस के सतपाल रायजादा के बीच है। कांगड़ा संसदीय क्षेत्र में 10 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। यहां मुख्य मुकाबला भाजपा के डॉ. राजीव भारद्वाज और कांग्रेस के आनंद शर्मा के बीच है। शिमला संसदीय सीट पर पांच उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यहां भाजपा के सुरेश कश्यप और कांग्रेस के विनोद सुल्तानपुरी के बीच कांटे की टक्कर है। मंडी संसदीय सीट पर भाजपा की कंगना रनौत और कांग्रेस नेता व लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के बीच कड़ा मुकाबला है। देशभर में 7 चरणों में लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव के लिए डाले गए वोटों की गिनती 4 जून को की जाएगी।

मतदान

प्रदेश की चारों लोकसभा सीटों के लिए 70 दशमलव नौ छह फीसदी मतदान हुआ है। विधानसभा की छह सीटों पर उपचुनाव में 74 दशमलव शून्य एक प्रतिशत वोट पड़े। मंडी संसदीय क्षेत्र में सर्वाधिक 72 दशमलव तीन दो प्रतिशत मतदान हुआ। जबकि कांगड़ा में 67 दशमलव नौ सात फीसदी वोट पड़े। मंडी जिला के सराज विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा 79 दशमलाव दो–दो प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। शिमला संसदीय क्षेत्र में 71 दशमलव दो–छह फीसदी मतदान जबकि हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में 72 दशमलव दो–छह प्रतिशत लोगों ने वोट डाले। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग ने बताया कि जनजातीय जिला लाहौल–स्पीति में 92 और किन्नौर में एक सौ 28 जबकि चंबा जिला के जनजातीय क्षेत्र भरमौर सहित पांगी में कुल एक सौ 52 मतदान केंद्र बनाए गए थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण

और हरित आवरण को बढ़ाने के संदेश के दृष्टिगत प्रदेश के विभिन्न भागों में कुल 44 ग्रीन पोलिंग स्टेशन स्थापित किए गए थे।

मतगणना तैयारी

ऊना ज़िले में भी लोकसभा चुनाव और 2 विधानसभा उपचुनावों की मतगणना के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ज़िला निर्वाचन अधिकारी व उपायुक्त जतिन लाल ने आज राजकीय महाविद्यालय ऊना का दौरा कर मतगणना की तैयारियों का जायज़ा लिया। उन्होंने अधिकारियों को ज़रूरी दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतगणना केन्द्रों और इसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था को चाक–चौबंद किया गया है। मतगणना केन्द्रों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। इधर, शिमला संसदीय क्षेत्र की मतगणना के लिए तैनात कर्मियों की दूसरी रैंडमाईज़ेशन आज शिमला स्थित उपायुक्त कार्यालय में आयोजित की गई। शिमला संसदीय क्षेत्र की मतगणना के लिए करीब 8 सौ कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी।

ई.वी.एम.

लाहौल–स्पीति ज़िले में मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद काज़ा से वायु सेना के हैलीकॉप्टर के माध्यम से ई.वी.एम. व वी.वी.पैट मशीनों को कड़ी सुरक्षा के बीच केलंग पहुंचाया गया है। ज़िला निर्वाचन अधिकारी व उपायुक्त राहुल कुमार ने बताया कि इन मशीनों को केलंग स्थित स्ट्रॉन्ग रूम में रखा गया है। उन्होंने कहा कि मतगणना कड़ी सुरक्षा के बीच की जाएगी।

पर्यवेक्षक

चुनाव आयोग द्वारा हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के लिए नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्याम लाल पूनिया ने आज हमीरपुर में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने ज़िले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के सहायक निर्वाचन अधिकारियों से प्रत्येक मतदान केन्द्र की रिपोर्ट हासिल की। इस अवसर पर उन्होंने 4 जून को होने वाली मतगणना की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी उम्मीदवारों और उनके प्रतिनिधियों से मतगणना के लिए जल्द से जल्द एजेंटों की नियुक्तियां करने और दस्तावेज़ों से जुड़ी सभी औपचारिकताएं समय पर पूरा करने का आग्रह किया।

.....